नवभारत
इंदौर, रविवार, 26 अप्रैल, 2026

वल्लभ नगर में टेंडर के 2 वर्ष बाद भी नहीं बनी रोड, गार्डन भी बदहाल

- सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत वापस लेने का बन रहा दबाव
- वल्लभ नगर परिवार समिति ने दी प्रशासन को आंदोलन की चेतावनी

उज्जैन। शहर के वार्ड 43 स्थित वल्लभनगर में जर्जर सड़कों और उद्यानों की दुर्दशा को लेकर स्थानीय रहवासियों में भारी आक्रोश है। सीएम हेल्पलाइन 181 पर शिकायत दर्ज कराने के बाद नगर निगम की टीम दो बार मौके पर जरूर पहुंची, लेकिन जमीनी स्तर पर सुधार कार्य अब भी अधूरा है। रहवासियों का आरोप है कि समस्या सुलझाने के बजाय संबंधित अधिकारियों द्वारा शिकायत वापस लेने का दबाव बनाया जा रहा है।

गार्डन में अतिक्रमण और कचरे का ढेर: क्षेत्रीय नागरिकों के अनुसार उद्यानों की हालत खस्ता है। अब तक न तो रंग-रोगन किया गया है और न ही क्यारियों का समतलीकरण हुआ है। उबड़-खाबड़ मिट्टी और कचरे का ढेर अब भी मौजूद है। इसके अलावा गार्डन की दीवारों के आसपास अतिक्रमण होने से क्षेत्र की सुंदरता लगातार प्रभावित हो रही है।

टेंडर पास, फिर भी खस्ताहाल हैं सड़कें: क्षेत्र की सड़कों की स्थिति भी अत्यंत खराब है। रहवासियों ने बताया कि सड़कों के निर्माण का टेंडर एक-दो वर्ष पूर्व ही स्वीकृत हो चुका है। इसके बावजूद आज तक निर्माण कार्य धरातल पर शुरू नहीं हो सका है, जिससे नागरिकों को रोजाना आवाजाही में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लंबित समस्याओं और अधिकारियों के रवैये से नाराज होकर वल्लभनगर परिवार समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में अनिल धवन, गणेश रायकवार, मंगल बामनिया, माहेश्वरी, अनुज दुबे, विजय दयाल, राजावत और राजकुमार कटिहार सहित कई नागरिक उपस्थित रहे। बैठक में सभी ने एकमत से निर्णय लिया कि इन समस्याओं को अब उच्च स्तर तक उठाया जाएगा। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि सभी कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर जल्द पूरा किया जाए। रहवासियों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि जब तक गार्डनों का पूर्ण विकास, अतिक्रमण हटाने और सड़क निर्माण का कार्य शुरू नहीं होता, तब तक वे पीछे हटने वाले नहीं हैं। यदि आवश्यकता पड़ी तो वे सामूहिक रूप से आगे आकर प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोलेंगे।

सामूहिक विवाह सम्मेलन में 32 जोड़े बंधे परिणय बंधन में

खाचरौद। समीप ग्राम फर्नाजी में आदर्श सामूहिक विवाह सम्मेलन श्री क्षत्रिय मेवाड़ा गायरी चौधरी समाज के द्वारा आयोजित किया गया। उपरोक्त विवाह सम्मेलन में समाज के 32 जोड़ों का विवाह गायत्री परिवार द्वारा सम्पन्न कराया गया। इस अवसर पर धनगर चौधरी समाज के हजारों समाजजन उपस्थित थे। कार्यक्रम में विधायक डॉ. तेज बहादुर सिंह चौहान ने उपस्थित होकर वर-वधू को आशीर्वाद प्रदान किया। पूर्व विधायक दिलीपसिंह गुर्जर भी कार्यक्रम में मौजूद थे।

एक नजर में

साजिद लोदी भारतीय टीम के कोच नियुक्त

इंदौर. शहर के अंतरराष्ट्रीय कोच साजिद लोदी के मार्गदर्शन में भारतीय टेनिस टीम दुनियभर के देशों से टक्कर लेगी. अखिल भारतीय टेनिस संघ ने साजिद लोदी को आईटीएफ वर्ल्ड जूनियर टेनिस 2026 एशिया/ओशिनिया फाइनल क्वालीफाइंग टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम का गैर खिलाड़ी कप्तान और कोच नियुक्त किया है। इस टूर्नामेंट में चीन, पाकिस्तान जैसे देशों से भारत का सामना होगा. अखिल भारतीय टेनिस संघ के महासचिव अनिल धूपर ने बताया कि अंडर-14 आयु वर्ग का यह टूर्नामेंट 28 अप्रैल से 3 मई तक मलेशिया के शहर कुचिंग में आयोजित होगा. स्पर्धा के मुकाबले सारावाक लॉन टेनिस एसोसिएशन सेंटर के हार्ड कोर्ट पर खेले जाएंगे। आईटीएफ जूनियर कैलेंडर का एक महत्वपूर्ण टूनामेंट है. यह एशिया/ओशिनिया क्षेत्र के देशों के लिए अंतिम क्वालीफाइंग इवेंट है. इस टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर टीमें आईटीएफ विश्व जूनियर टेनिस फाइनल्स में स्थान बनाएंगी. यह टूर्नामेंट भी इसी वर्ष 3 से 8 अगस्त तक चेक गणराज्य के शहर प्रोस्टेजॉव में खेला जाएगा. साजिद देश के श्रेष्ठ प्रशिक्षकों में शुमार हैं और उनके मार्गदर्शन में भारतीय टीम पहले भी कई सफलताएं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हासिल कर चुकी हैं. साजिद लोदी ने अपने चयन पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि अपने देश का प्रतिनिधित्व करना हर खिलाड़ी और कोच का सपना होता है। मुझे खुशी है कि अखिल भारतीय टेनिस संघ ने इस जिम्मेदारी के लिए मुझपर भरोसा जताया। हम बेहतर योजना के साथ कोर्ट में उतरेंगे।

धरणीधर पार्श्वनाथ जिनालय में ध्वजामहोत्सव

इन्दौर. भक्ति, शक्ति और समर्पण का संगम शुक्रवार को हाईलिंक सिटी स्थित पार्श्व कल्पतरु धाम में देखने को मिला. अवसर था श्री धरणीधर पार्श्वनाथ जिनालय के 12वें वर्षगांठ (ध्वजा महोत्सव) का, जिसे पूरे उल्लास और धार्मिक विधि-विधान के साथ मनाया गया. मातृ हृदय अमित गुणा श्रीजी महाराज साहब की पावन प्रेरणा से आयोजित इस महोत्सव में इंदौर के श्वेतांबर जैन समाज ने बड़ी संख्या में उपस्थिति दर्ज कराई. मंदिर के अध्यक्ष पुंडरीक पालरेचा ने बताया कि अभिषेक सुबह 6.45 बजे मूलनायक भगवान श्री धरणीधर पार्श्वनाथ दादा का भव्य दुग्धाभिषेक और जलाभिषेक किया गया. इसके पश्चात विद्वान पंडितों के सानिध्य में सत्तरभेदी पूजन संपन्न हुआ. श्रद्धालुओं ने केसर, सुगंधित पुष्प, ब्रास और मुकुट पूजा के माध्यम से प्रभु के प्रति अपनी अटूट आस्था प्रकट की। मंत्रोच्चार और भक्ति गीतों की स्वर लहरियों से पूरा परिसर धर्ममय हो गया. आयोजन का सबसे मुख्य और गौरवशाली क्षण शिखर ध्वजारोहण रहा. सुबह 8 बजे ढोल-धमाकों और गाजे-बाजे के साथ मंदिर के शिखर पर नई धर्मध्वजा फहराई गई. जैसे ही ध्वजा शिखर पर लहराई, पूरा परिसर %पार्श्वनाथ भगवान की जय के गगनभेदी जयकारों से गूंज उठा. धार्मिक अनुष्ठानों के समापन के पश्चात सभी के लिए नवकारसी का आयोजन हुआ. इस पावन प्रसंग पर समाज के अनेक गणमान्य सदस्यों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई. मुख्य रूप से विजय मेहता, मनीष सुराणा, संजय मोगरा, शांतु पालरेचा, दीपेश-मोना कोठारी, अरविंद डोसी, सिद्धांत जैन, अर्पित मारू सहित बड़ी संख्या में समाजजन सम्मिलित हुए।

ईसीसी माहेश्वरी की टीम बनी चैम्पियन

इंदौर. माहेश्वरी मीत एवं सह-आयोजक बिजासन क्षेत्र माहेश्वरी युवा संगठन के संयुक्त तत्वाधान में मध्य प्रदेश में पहली बार आयोजित इंदौर माहेश्वरी लेदर चैंपियनशिप (आईएमएलसी) सीजन-1 का समापन हुआ. खिताबी मुकाबले में ईसीसी माहेश्वरी ने एक बेहद रोमांचक और कशमकश भरे मैच में सोनी सुपर किंग्स को हराकर प्रथम सीजन की ट्रॉफी अपने नाम की. आयोजन समिति के नीरज जाखेटिया, निशित बियानी, अम्बर माहेश्वरी, आदित्य माहेश्वरी और मंगलेश राठी ने बताया कि इस प्रतियोगिता को अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव देने के लिए आईपीएल की तर्ज पर ऑक्शन प्रोसेस अपनाया गया था। इसके लिए देशभर से 18 से 50 वर्ष की आयु के खिलाड़ियों ने अपना पंजीयन कराया था, जिन्हें चार टीमों ने बोली लगाकर अपनी टीम में शामिल किया. प्रतियोगिता के दौरान शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को विशेष पुरस्कारों से नवाजा गया. मध्य प्रदेश में पहली बार आयोजित इस लेदर बॉल चैंपियनशिप का मुख्य उद्देश्य समाज के युवाओं और वरिष्ठ खिलाड़ियों को एक मंच प्रदान करना था.

श्री सिंथेटिक्स कर्मचारियों की बैठक आज

उज्जैन। श्री सिंथेटिक्स के समस्त कर्मचारियों की बैठक आज 26 अप्रैल को प्रात: 11.30 बजे शहीद पार्क, उज्जैन पर रखी गई है। बैठक में उच्च न्यायालय इंदौर की पीटिशन कर्मचारी राज्य बीमा के खिलाफ 6 महीने की सैलरी को प्राप्त करने के लिये लगाई गई है एवं कलकत्ता उच्च न्यायालय की याचिका में आने वाले शुक्रवार को सुनवाईहोनी है। दोनों पीटिशन के संबंध में बैठक में विस्तार से चर्चा की जावेगी। बैठक में आपरेटर साथी, स्टाफ के साथी एवं ठेकेदार के श्रमिकों से रामचन्द्र चैधरी, शिवाजीराव शिंदे, अमरसिंह गेहलोत, शीतल राठौर, रंजीत बोड़ाना, कैलाश धवन, राजेश समेले, नंदकिशोर सोलंकी ने अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर बैठक को सफल बनावें।

दीक्षार्थी बहन अंजली भण्डारी की भव्य दीक्षा 14 नवंबर को रतलाम में

नागदा। रतलाम नगर की बेटी दीक्षार्थी बहन अंजली भण्डारी की भव्य भगवती दीक्षा 14 नवंबर को रतलाम में सम्पन्न होने जा रही है। मीडिया प्रभारी नितिन बुडावनवाला और चातुर्मास अध्यक्ष आकाश वोरा ने बताया कि दीक्षार्थी बहन अंजली का नागदा आगमन हुआ। इस मौके पर शाह परिवार के निवास स्थान से महावीर भवन तक संयम जयकार यात्रा निकाली गई।

धर्मसभा में पूज्य अणुवत्स जी ने कहा कि ये जीव अनादिकाल से एक योनि से दूसरी योनि, जन्ममरण में परिभ्रमण कर रहा है और शुभ-अशुक कर्म बांधे जा रहा है। अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारना याने खुद को अशुभ कर्मों को भोगना। इन दु:खों एवं कर्मों का अंत कब होगा। ये कर्म बांध रखे है ये कब छूटेंगे। जीवन में इन सब कारणो के दु:ख मिटाने के लिए संयम और तप जरूरी है। अशुभ कर्मो का क्षय करने के लिये तप और नये कर्म उत्पन्न ना हों इसके लिये संयम जरूरी है।

मन, आत्मबल, मनोबल मजबूत करने वाला ही संयम की राह पर आगे बढ़ सकता हैं। यदि किसी ने एक चीज की भी निवृत्ति ले ली तो उसका मार्ग शुद्ध होकर अनुमोदित हो जायेगा। असंयम छोड़कर संयम की प्रवृत्ति करें। दीक्षार्थी बहन अंजली ने भी विचार रखते हुए कहा कि मुझे संयम की प्रेरणा पूज्य गुरूदेव के रत्नपुरी रतलाम के चातुर्मास के दौरान मिली। मुझे पूज्य अणुवत्स से ध्यान ज्ञान सीखने का सानिध्य मिला। पूज्य सतियां जी का भी सानिध्य प्राप्त हुआ। अब मैं 14 नवंबर को पूज्य गुरुदेव जिनेन्द्रमुनि एवं संयता संयत अणुवत्सजी आदि ठाणा से संयम ले रही हूं। धार्मिक प्रभावना का लाभ दिलीप, प्रदीप, गौरव, अंशुल, मनन शाह द्वारा लिया गया। 9 उपवास की लड़ी गुप्त नाम से चल रही हैं। 3 उपवास सीमा चंद्रप्रकाश कांठेड़ के चल रहे है। आतिथ्य सत्कार का लाभ प्रेमचन्द्र, योगेश, आगम बोहरा उज्जैन ने लिया है। संचालन तनु कोलन ने किया एवं आभार प्रकाशचंद्र सांवेरवाला ने माना।

11 युगलों ने आठवां फेरा लिया छायादार पौधे रोपने का

इंदौर. विश्व ब्राह्मण समाज संघ की मेजबानी में छोटा बांगड़दा, एयरपोर्ट रोड स्थित बाबाश्री रिसोर्ट पर 11 युगलों ने शंख और शहनाई की मंगल ध्वनि के बीच परंपरागत 7 फेरे तो लिए ही, 8वां फेरा ग्रीष्मकाल में मूक परिंदों के लिए अपने घर-आंगन में दाना-पानी रखने और वर्षाकाल में फलदार और छायादार पौधे लगाने के संकल्प का भी लिया.

म.प्र. ज्योतिष एवं विद्वत परिषद के अध्यक्ष आचार्य पं. रामचंद्र शर्मा वैदिक, खजराना गणेश मंदिर के पुजारी पं. अशोक भट्ट, रणजीत हनुमान मंदिर के पुजारी पं. दीपेश व्यास एवं हंसदास मठ के महामंडलेश्वर महंत पवनदास महाराज सहित अनेक विशिष्ट मेहमानों के सानिध्य में यह अनूठा विवाह पूरे उत्साह के साथ घरातियों और बरातियों संग नाचते-गाते हुए सम्पन्न हुआ। वरिष्ठ समाजसेवी ब्रह्मलीन रमेशचंद्र अग्रवाल की स्मृति में यह लगातार तीसरा दिव्य आयोजन हुआ, जिसमें नवयुगलों को अनेक उपहारों सहित शहर के अनेक विशिष्टजनों ने बिदा किया. आयोजन समिति के प्रमुख एवं विश्व ब्राह्मण समाज संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. योगेन्द्र महंत, स्वागताध्यक्ष जगदीश गोयल बाबाश्री, प्रमुख संयोजक राजेश गर्ग, संदीप गोयल ऑटो, शिव जिंदल, संयोजक राजकुमार बंसल एवं विनोद गोयल ने बताया कि दुबई से आए उद्योगपति चंद्रशेखर भाटिया मुख्य अतिथि थे जिन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि ऐसा सामूहिक विवाह पहली बार देखा, जहाँ बिलकुल घर जैसी शादी हुई है.

राजस्व वसूली कार्य प्रोफेशनली और समय-सीमा में करें पूर्ण...

- आयुक्त द्वारा राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक

इंदौर. निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 को दृष्टिगत रखते हुए निगम के राजस्व विभाग के कार्यों की समीक्षा हेतु सिटी बस ऑफिस में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर आयुक्त शृंगार श्रीवास्तव, उपायुक्त डॉ. केशव सगर, प्रदीप जैन सहित समस्त सहायक राजस्व अधिकारी एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान आयुक्त सिंघल ने शहर विकास में राजस्व विभाग की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए निर्देश दिए कि सभी कार्य प्रोफेशनल तरीके से एवं निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं. उन्होंने समस्त सहायक राजस्व अधिकारियों एवं बिल कलेक्टरों को निर्देशित किया कि वे प्रतिदिन प्रात: अपने-अपने जोन एवं वार्ड क्षेत्रों में फील्ड पर उपस्थित होकर राजस्व वसूली से संबंधित कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण करें, जिससे निगम की आय में वृद्धि सुनिश्चित हो सके. आयुक्त ने समीक्षा के दौरान पाया कि विगत वित्तीय वर्ष में राजस्व वसूली के अनुपात में संपत्तियों की रसीदें अपेक्षाकृत कम कटी हैं. इस पर उन्होंने निर्देश दिए कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप राजस्व वसूली के साथ-साथ अधिक से अधिक संपत्ति कर रसीदें जारी करना सुनिश्चित किया जाए. आयुक्त ने सभी सहायक राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया कि आगामी 31 मई तक समस्त बिलों का वितरण अनिवार्य रूप से पूर्ण किया जाए.

इसके साथ ही उन्होंने बेसिक संपत्ति सर्वे करने के भी निर्देश दिए, जिसमें मौके पर जाकर संपत्तियों का भौतिक सत्यापन किया जाए तथा निगम रिकॉर्ड से मिलान किया जाए। सर्वे के दौरान करदाता का मोबाइल नंबर, संपत्ति का उपयोग (आवासीय/व्यावसायिक) एवं अन्य आवश्यक जानकारी को अद्यतन करने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए.

उद्यान में ट्रीटेड पानी का उपयोग करें : आयुक्त

- निगमायुक्त द्वारा झोन 7 के विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण
- जल स्रोत की निरन्तर साफ सफाई रखरखाव के निर्देश

इंदौर. नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल द्वारा शुक्रवार को झोन क्रमांक 7 अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों का व्यापक निरीक्षण किया गया. इस दौरान अपर आयुक्त अर्थ जैन, झोन नियंत्रणकर्ता अधिकारी टीना सिसौदिया, झोनल अधिकारी सुनील जादौन, स्वास्थ्य अधिकारी मनोहर गौसर सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे.

निरीक्षण के दौरान आयुक्त सिंघल ने आगामी स्वच्छ सर्वेक्षण को ध्यान में रखते हुए झोन क्रमांक 7 के वार्ड क्रमांक 29, 32, 34 एवं अन्य क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था का जायजा लिया. उन्होंने वाटर बॉडी, बस स्टॉप, सार्वजनिक शौचालय, उद्यान, बाजार क्षेत्र सहित विभिन्न सार्वजनिक स्थलों का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को स्वच्छता एवं व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ करने के निर्देश दिए. आयुक्त ने स्कीम नंबर 54 में व्यावसायिक बाजार क्षेत्र, विजयनगर चौराहा, वार्ड क्रमांक 34 में स्कीम नंबर 114 में स्थित शहीद भगत सिंह उद्यान, रानी लक्ष्मी बाई उद्यान, महाराणा प्रताप उद्यान, ग्लोबल गार्डन, विभिन्न टूरिस्ट प्लेस, कालका माता मंदिर, आनंद मोहन माथुर सभागृह, सीटीपीटी, कुएं-बावड़ी सहित अन्य स्थानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित स्थानों पर साफ-सफाई, हरियाली, प्रकाश व्यवस्था, डस्टबिन की उपलब्धता, शौचालयों की स्वच्छता एवं रखरखाव की स्थिति का अवलोकन किया. आयुक्त ने निरीक्षण के दौरान उद्यानों में हरियाली बनाए रखने, सिंचाई के लिए ट्रीटेड पानी का उपयोग करने तथा इस हेतु आवश्यक व्यवस्था करने के निर्देश दिए. जलस्त्रोतों को सहजने के क्रम में वार्ड के कुएं बावड़ी का निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान हुए जलस्त्रोतों की निरंतर साफ सफाई एवं रखरखाव करने के भी निर्देश दिए.

गाइडलाइन के अनुरूप व्यवस्थाएं करें

आयुक्त श्री सिंघल ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्वच्छ सर्वेक्षण की गाइडलाइन के अनुरूप सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं तथा नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने में किसी प्रकार की लापरवाही न हो. उन्होंने विशेष रूप से सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता बनाए रखने, कचरा प्रबंधन को प्रभावी बनाने एवं जनजागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया.

एक नजर — हम भूमि पुत्र हैं और हमें जमीन की रक्षा करना चाहिए ...

पृथ्वी को बचाना है तो दुनिया को भारत के बताए मार्ग पर होगा चलना : मोहन नागर

- माधव महाविद्यालय में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत पृथ्वी दिवस पर हुआ सेमिनार

उज्जैन। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस शासकीय माधव महाविद्यालय की आईक्यूएसी, भूगोल विभाग और प्रकृति शोध सोसाइटी (उदयपुर) के क्षेत्रीय कार्यालय उज्जैन के संयुक्त तत्वावधान में %जल गंगा संवर्धन अभियान% के तहत पृथ्वी दिवस पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। हमारी शक्ति, हमारा ग्रह- पृथ्वी को पुनर्संतुलित करने का प्रयास विषय पर आयोजित इस सेमिनार में विशेषज्ञों ने पर्यावरण संरक्षण पर गहराई से मंथन किया।

मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष पद्मश्री मोहन नागर ने अपने उद्बोधन में कहा कि यदि पृथ्वी को संकट से बचाना है तो दुनिया को भारत के बताए रास्ते पर चलना पड़ेगा। हम भूमि पुत्र हैं और हमें भूमि की रक्षा करनी चाहिए। अथर्ववेद के पृथ्वी सूक्त का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि धरती को माता कहा गया है। हमारे बुजुर्ग सुबह धरती पर पैर रखते हैं तो उससे क्षमा मांगते हैं। हमारी संस्कृति में पेड़ों को भी प्राणवान और देवतुल्य माना गया है। आज धरती प्यासी है और हमें इसे पानी पिलाने की जरूरत है। तापमान को बढ़ने से रोकने के लिए सघन पौधारोपण और जल संरचनाओं का निर्माण करना होगा। सारस्वत अतिथि विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा ने कहा कि जल संरक्षण ही एक प्रकार से पृथ्वी का संरक्षण है। हम धरती से जो लेते हैं, उसे वापस भी देना चाहिए। कपड़े की थैली का उपयोग करना और मिट्टी के गणेश बनाना धरती के लिए हमारा समर्पण है। उन्होंने आह्वान किया कि आगामी सिंहस्थ मेला भी पूर्णत: पर्यावरण के अनुकूल हो, इसके लिए हमें अभी से प्रयास करने होंगे।

सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. अर्पण भारद्वाज ने कहा कि यह पृथ्वी रत्नगर्भा है, जो हमारा पालन करती है, लेकिन हम वनों को तेजी से नष्ट कर रहे हैं। कपड़ों को रंगने से जल प्रदूषित होता है, इसलिए जल संरक्षण के लिए कभी-कभी सफेद और बिना प्रेस किए हुए कपड़े भी पहनने चाहिए।

पांच पुस्तकों का हुआ विमोचन

प्राचार्य प्रो. कल्पना वीरेंद्र सिंह ने स्वागत भाषण देते हुए महाविद्यालय द्वारा चलाए जा रहे पौधारोपण और गौरैया संरक्षण प्रोजेक्ट की जानकारी दी। सेमिनार में अतिथियों द्वारा पांच पुस्तकों का विमोचन किया गया। सेमिनार संयोजक डॉ. मोहन निमोले ने शॉल, श्रीफल और बैम्बू का पौधा भेंट कर अतिथियों का सम्मान किया। उन्होंने आगामी 23-24 अक्टूबर 2026 को होने वाली अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस की रूपरेखा भी प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. जफर महमूद ने किया, जिनका अतिथियों द्वारा सारस्वत सम्मान भी किया गया। आभार प्रो. आनंद सिंह ठाकुर ने माना तथा सरस्वती वंदना डॉ. नलिनी तिलकर ने प्रस्तुत की। सेमिनार में जन अभियान परिषद के संभाग समन्वयक शिवप्रसाद मालवीय, अतिरिक्त संचालक (उच्च शिक्षा) डॉ. एच.एल. अनिज्वाल, पार्षद हेमन्त गहलोत, सुश्री अजीता परमार, विजय चौधरी, जोन अध्यक्ष विजय कुशवाह, शानू मेहता, एडवोकेट मनोज गुर्जर और लकी बना विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान 200 से अधिक प्राध्यापक, शोधार्थी, विद्यार्थी एवं एनसीसी व एनएसएस के कैडेट्स मौजूद रहे। कार्यक्रम की जानकारी डॉ. रफीक नागौरी द्वारा दी गई।